सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 193 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 20 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

सफल रिश्ते इस बात पर निर्भर नहीं करते कि हमारे बीच कितनी अच्छी अंडरस्टैंडिंग है। बल्कि इस पर निर्भर करता है कि हम कितने अच्छे से मिसअंडरस्टैंडिंग से बच पाते हैं। -ब्रह्माकुमारी शिवानी

भारत ने अपने 600वें टेस्ट में... 7 | पंजाब में चुनावी तैयारी पर... 3 | भाजपा सरकार और उसके... 2

सेक्स की दवा का प्रचार करने वाले शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में गए सनी देओल और फिल्म 'बंटवारा' का हो गया बंटाधार!

» देश पूछ रहा है माइक किसके लिए चालू है? दर्शकों के लिए या बाजार के लिए?

» गलगोटिया विवाद में फजीहत करावा चुके शुभांकर मिश्रा पर छात्र आंदोलन में हिंदू-मुस्लिम करवाने का आरोप

» शुभांकर के शो में एक तरफ फुल मोड में पैनीट्रेशन तो दूसरी तरफ अध्यात्म के गोते, व्यूज के लिए ताक पर रखी नैतिकता

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक मच्छर आदमी को हिजड़ा बना देता है और एक गलत फैसला करोड़ों की फिल्म का खेल बिगाड़ सकता है। सनी देओल ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस पॉडकास्ट पर वह अपनी फिल्म के प्रचार के लिए जा रहे हैं वही इंटरव्यू सोशल मीडिया पर उनकी फिल्म से ज्यादा पॉडकास्टर शुभांकर मिश्रा को लेकर सवालों की आग भड़का देगा और फिल्म का बंटाधार हो जाएगा। सनी देओल की फिल्म बंटवारा के पिट जाने के बाद सवाल यह नहीं कि सनी देओल किसी पॉडकास्ट पर क्यों गए।

सवाल यह है कि गए कहां। उस मंच पर जिस पर सोशल मीडिया पर पहले भी तरह तरह के विवाद उठ चुके हैं। जिस मंच को लेकर कभी सेक्स और रिश्तों से जुड़े उत्पादों के प्रचार पर सवाल उठे कभी छात्र आंदोलनों की कवरेज और उसके सांप्रदायिक एंगल को लेकर आलोचना हुई कभी गलगोटिया विवाद के दौरान सोशल मीडिया की अदालत ने जमकर निशाना साधा। और अब उसी मंच पर सनी देओल अपनी फिल्म लेकर पहुंचे तो आलोचकों ने व्यंग्य में कहना शुरू कर दिया पा जी फिल्म का प्रमोशन कराने गए थे या विवादों के वाई-फाई से कनेक्ट होने।

बड़ा खतरनाक है डिजिटल मीडिया का नया जमाना

जी हां डिजिटल मीडिया का यह नया जमाना बड़ा खतरनाक है। यहां माइक सामने होता है कैमरा चालू होता है मेहमान मुस्कुराता है होस्ट सवाल पूछता है और दर्शक सोचता है कि वाह क्या शानदार इंटरव्यू है। लेकिन स्क्रीन के पीछे सवालों की दूसरी दुनिया चल रही होती है। यह इंटरव्यू है प्रमोशन है या फिर ब्रांडिंग है या फिर प्रचार का वह पैकेट है जिस पर ऊपर बातचीत लिखा है और अंदर पूरा मार्केटिंग प्लान भरा पड़ा है? शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट को लेकर सोशल मीडिया पर यह सवाल नया नहीं है। आलोचकों का आरोप रहा है कि बड़े फिल्मी सितारों और चर्चित चेहरों के इंटरव्यू के जरिए शुभांकर मिश्रा ने प्रचार का एक ऐसा तंत्र खड़ा किया गया है जिसमें पत्रकारिता और प्रमोशन के बीच की लाइन मिट चुकी है। शुभांकर मिश्रा पर फिल्मी हस्तियों से इंटरव्यू के बदले मोटी रकम लेने जैसे आरोप भी सोशल मीडिया और आलोचनात्मक बहसों में लगे हैं।

सवाल शुभांकर मिश्रा से यह भी कि क्या यह पॉडकास्ट है या प्रमोशन की प्रीमियम दुकान?

"न जाने कौन कौन सी बूटियों को क्या क्या बता कर महंगा बेचने का रास्ता शुभांकर के शो के जरिये किय जा रहा है।"

अपने पॉडकास्ट में कीड़ा जड़ी से 2 मिनिट में घोड़ा बनने का बता रहे हैं फार्मूला

और सबसे बड़ा सवाल

जब गलगोटिया विवाद में सोशल मीडिया ने पॉडकास्टर शुभांकर मिश्रा को निशाने पर लिया था। जब दूसरे विवादों पर भी सवाल उठे थे तब क्या सनी देओल की टीम को यह नहीं सोचना चाहिए था कि फिल्म के प्रचार के लिए चुना गया मंच कहीं फिल्म से ज्यादा खुद विवाद का विषय तो नहीं बन जाएगा। हुआ भी वही जो इससे पहले बहुत से दूसरे लोगों के साथ उनके शो में हो चुका है। सोशल मीडिया ने इस बार भी अपना फैसला सुनाने में देर नहीं लगाई और सनी देओल के साथ वह हो गया जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं कि थी। इस पूरे डिजिटल झमेले में सबसे बड़ा सवाल कैमरे के पीछे बैठे शुभांकर मिश्रा पर उठा कि क्या आप पॉडकास्ट के होस्ट हैं प्रचार के होस्ट हैं या फिर हर विवाद की कहानी में खुदबखुद बन जाने वाले सूत्रधार।

गलगोटिया विवाद में भी खूब हुई थी फजीहत

जिस पॉडकास्टर के मंच पर सेक्स से अध्यात्म तक फिल्म से राजनीति तक और विवाद से वायरलिटी तक सब कुछ मिलता हो उसके मंच पर जाकर सनी देओल की फिल्म का प्रमोशन होना खुद उस नई डिजिटल पत्रकारिता की कहानी बन गया है जहां माइक पत्रकार का होता है कैमरा क्रिएटर का और मेहमान स्टार होता है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि फैसला एल्गोरिद्म करता है। तो फिर सवाल सिर्फ सनी देओल से नहीं है सवाल शुभांकर मिश्रा से है कि क्या यह पॉडकास्ट है या प्रमोशन की प्रीमियम दुकान? क्या यह पत्रकारिता है या प्रभाव बेचने का कारोबार? क्या बड़े सितारे बातचीत करने आते है या अपनी फिल्म की डिजिटल मार्केटिंग कराने? क्योंकि इससे पहले फरवरी में से एक गलगोटिया विवाद में भी शुभांकर मिश्रा पर सवालों की लड़ी लगी थी। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था और जैन जी उन्हें खूब खरी खोटी सुना रहा था।

होस्ट से मोटी रकम वसूलने का शुभांकर पर आरोप!

शुभांकर मिश्रा का इंस्टा एकाउंट हो या फिर यूटयूब चैनल सभी जगह सेक्स, रिश्तों और अंतरंगता पर खुली बातचीत वाले एपिसोड की भरमार है। दुर्भाग्य देखिये वह अपने बहुत से शो में नैतिकता की बात करते हैं युवओं से एथिकल लिविंग पर चर्चा लेकिन दूसरी ओर वह खुद विरोधोभास के उस दलदल में फंसे हैं जहां से निकलना मुश्किल है। उनके एकाउंट पर सीमा आनंद हैं जो पैनीट्रेशन बढ़ा कर आनंद को अनंत की उचाईयों तक ले जाने वाले गुर बात रही है तो दूसरी ओर जगतगुरू रामभद्राचार्य जैसी शख्सियत। बस यही दोहरा चरित्र सोशल मीडिया दर्शकों को बुरा लग रहा है और वह खुलकर इस नैतिक पतन की आलोचना करते हुए दिखायी दे रहे हैं। शुभांकर के कयी शो में पुरुषों की यौन क्षमता बढ़ाने जैसे बड़े बड़े दावे किये जा रहे हैं। सेक्स की दवाई बेचने वाले एक महाशय तो उनके शो में दो मिनट में घोड़ा बना देने वाला फार्मूला बता रहे हैं। कीड़ा जड़ी को सस्ती वियाग्रा बता कर उसको 80 लाख रूपये किलो तक बेचने का बाजार शुभांकर के शो के जरिये सजाया जा रहा है। सोचिये कोरोना काल में बहुत से आर्युवेदिक फार्मूलों को इम्युनिटी बूस्टर बता कर पेश किया गया लेकिन खुद आर्युवेद मंत्रालय ने माना कि बहुत सी बूटियों ने किसी के लीवर को नुकसान पहुंचा तो किसी की किडनी को। आज कीड़ा जड़ी और न जाने कौन-कौन सी बूटियों को क्या-क्या बता कर महंगा बेचने का रास्ता शुभांकर के शो के जरिये किय जा रहा है। खुफिया जानकारी के मुताबिक शुभांकर की टीम अपना शेयर पहले ही जजमान से ले लेती है और फिर उसके बाद उनके शो में कुछ भी अनाप शनाप फार्मूला बताने की खुली छूट मिल जाती है।

भाजपा सरकार और उसके अधिकारियों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों में भी छापेमारी हो : अखिलेश यादव

» मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से जुड़े ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की रेड पर सपा प्रमुख नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से जुड़े ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी पर भाजपा को घेरा है। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए मांग की कि एजेंसी को भाजपा सरकार और उसके अधिकारियों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों में भी छापेमारी करनी चाहिए। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने ईडी की कार्रवाई का बचाव किया है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जेल में बंद वरिष्ठ सपा नेता आजम खान के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर सवाल उठाया और मांग की कि ईडी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार एवं उसके अधिकारियों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों में छापेमारी करे। हालांकि, उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने ईडी की कार्रवाई का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना के पीछे के भ्रष्टाचार की परतें उजागर हो रही हैं। यादव ने बुधवार को खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और जौहर विवि से जुड़े ठिकानों पर ईडी की छापामारी पर पर आरोप लगाया कि एजेंसी उन लोगों को निशाना बना रही है जिन्होंने विवि बनाया, जबकि कई दूसरे मामलों में कथित भ्रष्टाचार को नजरअंदाज कर रही है।

साम्प्रदायिक संकीर्ण सोच के कुतर्की समर्थकों को संतुष्ट किया जा रहा

पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षार्थी विरोधी, स्कूलबंद करवाने वाले भाजपाई और उनके संगी-साथी विश्वविद्यालय बनानेवालों के ख़िलाफ़ ईडी की छापेमारी कर रहे हैं ताकि उनके एक-दो प्रतिशत बचे हुए साम्प्रदायिक संकीर्ण सोच के कुतर्की समर्थकों को संतुष्ट किया जा सके, जबकि उन भ्रष्टाचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही, जो आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हैं। यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी मामले में शामिल लोगों, कथित तौर पर सत्ता से जुड़े अपराधियों और कोडीन युक्त कफ सिरप के धंधे से जुड़े भाजपा के लोगों के खिलाफ ईडी के छापे मारने की मांग की।

मूलभूत परियोजनाओं की भी जांच हो

उन्होंने मूलभूत परियोजनाओं को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा राज में बने खस्ताहाल बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गड्ढों से भरे कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे और टूटे हुए ग्रीन कॉरिडोर को लेकर कार्रवाई की जानी चाहिए जो कथित तौर पर भाजपा सरकार के समय में बने। ईडी ने बुधवार को धनशोधन जांच के तहत उत्तर प्रदेश के रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली के जामिया नगर में मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट एवं जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े करीब 10 ठिकानों पर तलाशी ली। एजेंसी ने यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज एक मुकदमा दर्ज होने के बाद की है।

जांच एजेंसी अपना काम कर रही है : दानिश अंसारी

ईडी अधिकारियों ने निजी ठेकेदारों के जरिये सरकारी ठेके के धन को दूसरी जगह भेजे जाने और उसके बाद ट्रस्ट एवं विश्वविद्यालय की सम्पत्तियां बनाये जाने और उनमें उसके इस्तेमाल किये जाने का आरोप लगाया है। तलाशी का बचाव करते हुए अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री अंसारी ने कहा कि जांच एजेंसी अपना काम कर रही है और अगर गलत काम साबित हुआ तो कार्रवाई की जाएगी। अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री मंत्री ने कहा, ''जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना के पीछे के भ्रष्टाचार की नई कहानियां अब उजागर हो रही हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया गया और गरीब लोगों एवं सरकार की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया।

चंदा चोरी मामले की जांच सही नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा : संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े जमीन प्रकरण में चंपत राय और अनिल मिश्रा को एसआईटी की ओर से कथित तौर पर क्लीन चिट दिए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर सुप्रीम कोर्ट की ओर से एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगे जाने की बात सामने आ रही है, वहीं दूसरी ओर आरोपियों को क्लीन चिट दिए जाने की खबरें प्रकाशित हुई हैं।

» आप सांसद बोले- चंपत राय को क्लीन चिट क्यों दी

उन्होंने दोनों के बीच कथित अंतर्विरोध को स्पष्ट करने की मांग की। संजय सिंह ने एसआईटी अध्यक्ष किरन यस को पत्र लिखकर जमीन प्रकरण से जुड़े 26 दस्तावेज सौंपने के लिए 2० से 23 अगस्त के बीच समय मांगा है। उनका दावा है कि इनमें 13 पुराने और 13 नए दस्तावेज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज जांच को वास्तविक निष्कर्ष तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि चंपत राय के हस्ताक्षर वाले दस्तावेजों में जमीन की खरीद को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आती हैं। उनका दावा है कि दो करोड़ रुपये की जमीन पांच मिनट के भीतर साढ़े 18 करोड़ रुपये में खरीदी गई। उन्होंने नौ करोड़ की जमीन 55 करोड़ और 1.73 करोड़ रुपये की जमीन 24 करोड़ रुपये में खरीदे जाने का भी आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि यदि मामला अभी जांच के स्तर पर है और सुप्रीम कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट मांगी है तो कथित तौर पर क्लीन चिट दिए जाने की खबरों की स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपियों को बचाना राम भक्तों के साथ विश्वासघात है।

चंदा चोर और पेपर लीक वाले बीजेपी दफ्तर में रहते हैं : तेजस्वी

» राजद नेता के वीडियो के बाद बवाल, भाजपा बिफरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए बीजेपी को निशाने पर लिया। वीडियो में वह पटना बीजेपी कार्यालय की ओर इशारा करते हुए कई गंभीर आरोप लगाते नजर आ रहे हैं। उधर इसको लेकर भाजपा नाराजगी जताई।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो उनके राजभवन मार्च के बाद का है, जिसमें पुलिस कार्रवाई के दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था। वीडियो जारी करते हुए तेजस्वी यादव ने युवाओं से बीजेपी को सत्ता से बाहर करने की अपील की। वीडियो में तेजस्वी यादव बीजेपी कार्यालय दिखाते हुए कहते हैं कि चंदा चोर, पेपर लीक और डस्टबिन घोटाले वाले, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले इसी में रहते हैं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे लोगों को सत्ता से बाहर करने की जरूरत है. तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखकर बीजेपी पर कई तरह के आरोप लगाए. उन्होंने बीजेपी नेताओं पर चंदा चोरी, पेपर चोरी, झाड़ू चोरी, टॉयलेट चोरी, डस्टबिन चोरी, डीजल चोरी, दवाई चोरी समेत कई मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने अपने पोस्ट में सृजन घोटाला, पुल-पुलिया, बालू, राशन, मिड-डे मील और अन्य योजनाओं से जुड़े मामलों का भी जिक्र किया. तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार करने वाले और अपराधियों को संरक्षण देने वाले लोग बीजेपी कार्यालयों में मिलेंगे।

बीजेपी दफ्तरों पर साधा निशाना

आरजेडी नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी के कार्यालय दंगा-फसाद, नफरत और हिंसा फैलाने वाले कार्यों के अड्डे बन चुके हैं. उन्होंने कहा कि अनैतिक और अवैधानिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ जनता को आवाज उठानी चाहिए. हालांकि बीजेपी की ओर से तेजस्वी यादव के आरोपों पर प्रतिक्रिया आना बाकी है. इससे पहले भी बिहार में आरजेडी और बीजेपी के बीच भ्रष्टाचार और शासन व्यवस्था को लेकर लगातार राजनीतिक बयानबाजी होती रही है।

आजम खान को सरकार परेशान कर रही है : राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजम खान के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राय ने बलिया में एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में आरोप लगाया कि सरकार खान को निशाना बना रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, आजम खान को सरकार परेशान कर रही है। पूर्व सपा लोकसभा उम्मीदवार असीम राजा ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय को ईडी ने घेर लिया है और दावा किया कि छात्रों पर भय का माहौल बनाने एवं प्रवेश को हतोत्साहित करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ सपा नेता सतनाम सिंह मट्टू ने भी कार्रवाई पर सवाल उठाया तथा आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय के अंदर कुछ लोगों ने ईडी अधिकारी होने का दावा किया लेकिन अपनी पहचान नहीं बताई।

» यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने ईडी के छापेमारी पर उठाए सवाल

उन्होंने आरोप लगाया कि परिसर में प्रवेश करने वाले छात्रों से उनके मोबाइल नंबर मांगे जा रहे थे और इस कार्रवाई को अवैध बताया। ईडी अधिकारियों के अनुसार, जांच निजी ठेकेदारों के माध्यम से सरकारी अनुबंध निधि के कथित हेरफेर और उसके बाद के उपयोग से संबंधित है, जिसमें लखनऊ मुख्यालय वाले ट्रस्ट और विश्वविद्यालय की संपत्ति बनाना भी शामिल है। विश्वविद्यालय हाल में एक और विवाद में उलझ गया था जब रामपुर विकास प्राधिकरण ने अनुमोदित भवन योजना के बिना निर्माण का आरोप लगाते हुए इसकी 4० इमारतों में से 38 को ध्वस्त करने का निर्देश दिया था। प्रस्तावित विध्वंस पर बाद में संभागीय आयुक्त ने रोक लगा दी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अखिलेश यादव पर भड़के रालोद चीफ जयंत

कहा, सपा प्रमुख की बयानबाजी लोगों को प्रतिक्रिया के लिए मजबूर कर रही है

» रालोद पश्चिमी यूपी में चुनावों की तैयारी में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी को लेकर रालोद अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दिल्ली में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गुर्जर नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में पूर्व सांसद मलूक नागर, सांसद चंदन चौहान समेत पार्टी के कई गुर्जर नेता शामिल हुए।

वहीं इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए रालोद चीफ जयंत चौधरी ने कहा वो अपनी बात कहें तो अच्छा है, उनके साथ खड़े होने वाले हर सहयोगी, जिन्होंने आज तक उनका सहयोग किया हो या आज भी उनके साथ खड़े हों, उनको वो इस तरह की बयानबाजी से सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। इसके साथ ही जयंत चौधरी ने आगे कहा बाकी लोकतंत्र है, जनता सबको बनाती है। जनता जनार्दन है। वहीं अखिलेश यादव की ओर से की गई चवन्नी वाली टिप्पणी को लेकर सवाल पूछे जाने पर जयंत चौधरी ने कहा ये उनको पूछिए। बता दें कि इस बैठक में पश्चिमी यूपी की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा हुई. ऋष्ठ का फोकस पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन और सामाजिक समीकरण को मजबूत करने पर है। बता दें कि हाल ही में सपा चीफ अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए एक बयान दिया था कि हमारे साथ गठबंधन के लिए कहां-कहां से लोग आ गए थे. हमने चवन्नी से रुपया बना दिया फिर भी छोड़कर चले गए. इसी के साथ अखिलेश यादव ने बीजेपी के सहयोगी दलों पर तंज कसते हुए एक पोस्ट किया जिसमें उसने एनडीए की सीटों की संख्या बताई, पूर्व सीएम ने दावा किया कि रालोद को एनडीए में 73 सीट मिलेंगी।

पंजाब में चुनावी तैयारी पर जोर

कांग्रेस के बाद भाजपा ने कसी कमर

» आप फिर सत्ता में वापसी को तैयार

» भाजपा ने शुरू की ओवर हालिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। चुनावी राज्यों के लिए सभी पार्टियों ने कमर कसना शुरूकर दिया। यूपी के अलावा पंजाब एक महत्वपूर्ण राज्य है। वहां पर आप की सरकार है। वह अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए तो जुटी ही है। विपक्षी पार्टियों ने भी कमर कसना शुरूकर दिया। कांग्रेस अपने यहां गुटबाजी को खत्म करने को रणनीति बना रही है। तो वहीं शिअद अपने पुराने साथी भाजपा के करीब आ रही है।

हालांकि सबसे ज्यादा भाजपा तैयारी कर रही है। उसने वहा पहले प्रदेश अध्यक्ष बदला उन्होंने भी टीम बनाई। उधर राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीन नबीन ने भी राज्य में अपनी टीम मजबूत करनी शुरू कर दी ह। नितिन नवीन की टीम का ऐलान होने के बाद अब यह संभावना और मजबूत हो गई है, क्योंकि पंजाब से मंत्री की दौड़ में दो बड़े संगठन में चले गए हैं। बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम का ऐलान कर दिया है। इसमें बीजेपी ने आम आदमी पार्टी छोड़कर आए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा मध्य प्रदेश से राज्यसभा पहुंचे तरुण चुघ को पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया है। इन दोनों को पीएम नरेंद्र मोदी के संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल में फ्रंट रनर माना जा रहा था। चर्चा थी कि पार्टी पंजाब चुनावों को देखते हुए इन्हें बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। संदीप पाठक और तरुण चुघ को संगठन में समायोजित किए जाने के बाद अब सरकार में राघव चड्ढा के बड़े रोल के लिए रास्ता साफ हो गया है।

पंजाब चुनाव से पहले भाजपा में कलह निपटाने की तैयारी

बीजेपी 27 के विधानसभा चुनावों से पहले पूरे पंजाब में अपनी संगठनात्मक उपस्थिति बढ़ाने और जमीनी स्तर पर नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रही है। ढिल्लों ने कहा था कि पार्टी की योजना गांव स्तर तक टीमें बनाने की है। राज्य इकाई ने पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की अपनी मंशा भी जाहिर की है।

दूसरे दलों से आए नेताओं को दी जिम्मेदारियां

नई सूची में कई ऐसे नेता शामिल हैं जो अन्य राजनीतिक दलों से बीजेपी में आए हैं, साथ ही पार्टी के पुराने पदाधिकारी भी हैं। यह राज्य इकाई की अपने पारंपरिक संगठनात्मक नेटवर्क को अपने बढ़ते राजनीतिक आधार के साथ जोड़ने की कोशिश को दर्शाता है। अश्वनी सेखरी को अमृतसर ग्रामीण का प्रभारी नियुक्त किया गया है, रंजीत सिंह खोजेवाल अमृतसर ग्रामीण का कामकाज देखेंगे, और राकेश राठौर अमृतसर शहरी के प्रभारी होंगे। निपुण शर्मा बरनाला का कामकाज देखेंगे, जबकि रविकरण सिंह काहलों को बटाला की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुरजीत ज्यानी बठिंडा ग्रामीण का कामकाज देखेंगे, और मंजीत सिंह राय बठिंडा शहरी के लिए जिम्मेदार होंगे। मोना जायसवाल को फरीदकोट का प्रभारी नियुक्त किया गया है। के डी भंडारी फतेहगढ़ साहिब के प्रभारी होंगे। सतीश असिजा फाजिल्का का कामकाज देखेंगे। जीवन गुप्ता फिरोजपुर के

प्रभारी होंगे, और हरविंदर सिंह संधू गुरदासपुर का कामकाज देखेंगे। होशियारपुर का कामकाज सुशील शर्मा देखेंगे, जबकि राकेश शर्मा होशियारपुर ग्रामीण का कामकाज देखेंगे। अनिल सच्चर को जगरांव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुष्पेंद्र सिंघल जालंधर ग्रामीण उत्तर का कामकाज देखेंगे, करमजीत कौर चौधरी जालंधर ग्रामीण दक्षिण की जिम्मेदारी संभालेंगी, और सूरज भारद्वाज जालंधर शहरी का कामकाज देखेंगे।

मंजीत सिंह मन्ना को कपूरथला और सुशील रिंकू मलेटकोटला इंचार्ज

मंजीत सिंह मन्ना कपूरथला का कामकाज देखेंगे; अमरजीत सिंह अमरी, खन्ना; गेज्जा राम वाल्मीकि, लुधियाना ग्रामीण; और दयाल सिंह सोढ़ी को लुधियाना अर्बन का इंचार्ज बनाया गया है। सुशील रिंकू को मलेरकोटला का इंचार्ज नियुक्त किया गया है। बाकी संगठनात्मक जिलों में, के.के. मल्होत्रा मानसा के जिला इंचार्ज होंगे, चरणजीत सिंह बरार मोगा, जतिंदर मित्तल मोहाली, रंजम कामरा मुक्तसर, सुभाष शर्मा नवांशहर और राजेश हनी पठानकोट का काम देखेंगे।

राघव चड्ढा को मिलेगा बड़ा काम

राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी की बागी सांसद सायोनी घोष के साथ राघव चड्ढा की पीएम मोदी की टीम में एंट्री हो सकती है। राघव चड्ढा भी उन सांसदों में शामिल हैं। जिनसे पीएम न सिर्फ मिले थे बल्कि उन्होंने राघव चड्ढा से वन टू वन मुलाकात की थी। इसी तरह से पीएम मोदी ने वडोदरा के सांसद हेमांग जोशी से वन टू वन मीटिंग की थी। पार्टी ने उन्हें युवा मोर्चा का प्रमुख बनाया है। राघव चड्ढा अच्छे वक्ता हैं। इसका बीजेपी को लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं अगले साल की शुरुआत में पंजाब चुनाव में भी बीजेपी को फायदा मिलेगा। अगर पीएम मोदी की कैबिनेट में राघव चड्ढा युवाओं से जुड़ा कोई बड़ा मंत्रालय संभालें तो यह बड़ा सरप्राइज नहीं होना चाहिए। नितिन नवीनकी

टीम का ऐलान होने के बाद अब जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार होने की उम्मीद है।राघव चड्ढा कम उम्र के नेता हैं। बीजेपी उन पर बड़ा दांव खेल सकती है। वे अच्छे वक्ता भी हैं। राघव चड्ढा का जन्म 11 नवंबर 1988 को नई दिल्ली में हुआ था। वह 22 वर्ष की आयु में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीएम) और लगभग 31-32 वर्ष की उम्र में दिल्ली के विधायक बने थे। इसके बाद 33 साल की आयु में पंजाब से राज्यसभा सांसद बने। अभी उनकी मौजूदा उम्र 37 साल है। राघव चड्ढा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.कॉम और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से सीए की पढ़ाई की है। बीजेपी द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम घोषित किए जाने के बाद अब इसी महीने मंत्रिमंडल का फेरबदल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मंत्रिमंडल फेरबदल में तमाम उम्रदराज नेताओं की छुट्टी की जा सकती है।

तरनतारन और पटियाला में भी बदलाव

एस.के. देव को पटियाला रूरल नॉर्थ का इंचार्ज नियुक्त किया गया है, जैस्मीन संधावालिया पटियाला रूरल साउथ का काम देखेंगी, और विनय शर्मा को पटियाला अर्बन की जिम्मेदारी दी गई है। रणजीत सिंह गिल रोपड़ का काम देखेंगे; मंगत राय बंसल को संगरूर-1; हरमिंदर सिंह जस्सी को संगरूर-2; और नरेश शर्मा को तरनतारन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अश्वनी सेखरी को अमृतसर ग्रामीण का प्रभारी और अजयबीरपाल सिंह रंधावा को सह-प्रभारी बनाया गया है। अमृतसर ग्रामीण-द्वितीय की जिम्मेदारी रंजीत सिंह खोजेवाल प्रभारी और मानव तनेजा सह-प्रभारी के तौर पर संभालेंगे। राकेश राठौर को अमृतसर शहरी का प्रभारी और अनिल वासुदेवा को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। निपुन शर्मा को बरनाला का प्रभारी और ओंकार सिंह सिद्धू को सह-प्रभारी बनाया गया है। बयान के अनुसार, रविकरण सिंह काहलों को बटाला का प्रभारी और विजय शर्मा को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। बठिंडा ग्रामीण की जिम्मेदारी सुरजीत जियानी को प्रभारी और राजेश पटेला को सह-प्रभारी के रूप में सौंपी गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब देंगी विमानन कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

हाल ही थाईलैंड से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया की उड़ान में तो लापरवाही की हद दिखी, जब विमान के अचानक हवा में तीन सौ फीट नीचे आने की वजह पायलट के नशीले पदार्थ का सेवन सामने आई।

पिछले साल हवाई यात्रा के दौरान हवाई जहाज के गिर जाने 250 से ज्यादा लोगों की असमय जान चली गई थी। उसके बाद अबत कई दुघटनाएं हो चुकी है। सरकारों व हवाई सेवा कंपनियों को इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि यात्रियों की जान खतरे में न पड़े। उड़ानों की संख्या कम भले ही हो जाए लेकिन विमानन कंपनियों को सुरक्षित उड़ानों की चिंता करनी ही होगी। हवाई यात्रा को दुनिया में यातायात का सबसे सुरक्षित साधन माना जाता रहा है। सरकार व विमानन कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बातें भी खूब करती हैं। पिछले दिनों ही अलग-अलग विमानन कंपनियों की उड़ानों में कहीं तकनीकी खराबी की वजह से इंजन फेल होने, विमान का एसी खराब होने व कहीं पायलट के ही नशे में होने व कहीं क्रू मेंबर की लापरवाही से उड़ानों में देरी जैसी घटनाएं बता रही हैं कि विमानन कंपनियां सुरक्षा मानकों के अनुरूप सतर्कता बरतने को लेकर गंभीर नहीं हैं। इंडिगो की कोलकाता-चेन्नई फ्लाइट में दो दिन पहले उड़ान के दौरान इंजन फेल होने घटना ऐसी ही लापरवाही की ओर संकेत कर रही है। हाल ही थाईलैंड से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया की उड़ान में तो लापरवाही की हद दिखी, जब विमान के अचानक हवा में तीन सौ फीट नीचे आने की वजह पायलट के नशीले पदार्थ का सेवन सामने आई।

हवाई सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच बड़ा सवाल यह है कि आखिर विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिए जाते? सवाल यह भी कि विमानन कंपनियों का ध्यान यात्री सुविधाओं की बजाय मनमाना किराया वसूलने में ही क्यों रहता है? एक तरफ विमानन सेवाओं के विस्तार की बातें की जाती हैं तो दूसरी ओर उड्डयन कंपनियों द्वारा मनचाहा किराया वसूलने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। अचानक किसी उड़ान के रद्द करने का ऐलान करना, निर्धारित समय से काफी विलंब से उड़ान भरना जैसी घटनाएं तो आम बात हो गई हैं। एक तथ्य यह भी है कि विमानन कंपनियों के पुराने विमानों की जगह नए विमान बेड़े में लाने की रफ्तार काफी कम है। सरकार ने लोकसभा में गत फरवरी में ही यह जानकारी दी कि देश की छह बड़ी एयरलाइंस के 754 विमानों में से 377 में बार-बार खराबी आने की बात जांच में सामने आई है। सरकार की ओर से कहा भी गया कि इस जानकारी के बाद नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विमानों पर निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है। बड़ी समस्या यह भी है कि विमानन कंपनियों के ऐसे विमान उड़ान भर रहे हैं जिन्हें तकनीकी समस्याओं की वजह से रिटायर कर देना चाहिए था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जंतर-मंतर के चौराहे पर लोकतंत्र

नरेश कौशल

देश का अवाम नये जज्बे और उमंग के साथ 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। आज़ादी के 79 वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह अवसर केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि ठहरकर यह पूछने का भी है कि जिन पुरखों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर हमें आजादी का उपहार दिया था, हमने उस विरासत को कितना संभाला है। भीतर झांकें तो कहीं-कहीं यह अहसास होता है कि हमने स्वतंत्रता के अर्थ को अधिकारों तक सीमित कर दिया है और कर्तव्यों को सुविधानुसार भुला दिया है। कोई लोकतंत्र तभी कायदे से फलता-फूलता है जब उस देश के नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों का सामंजस्य रखते हैं। यह एक हकीकत है कि आजादी की लड़ाई की कीमत वह पीढ़ी ही जानती थी जिसने गुलामी की बेड़ियां महसूस की थीं।

हजारों अनाम शहीदों ने अपने प्राण दिए। आजाद हिंद फौज के सेनानियों ने देश से दूर रहकर ब्रिटिश सत्ता से लोहा लिया। कितने परिवार उजड़े, कितनों ने यातनाएं सहीं और कितनों की शहादत इतिहास के पन्नों में भी दर्ज नहीं हो सकी। इसलिए 15 अगस्त महज एक छुट्टी का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। इस दिन हम स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग व बलिदान को गहरे तक महसूस करें। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री देश को संबोधित करेंगे। सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख होगा, नीतियों और योजनाओं की चर्चा होगी और देश की चुनौतियों पर भी बात होगी। इस बार का विमर्श 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष और 'विकसित भारत के लिए युवा शक्ति@2047' जैसे संकल्पों के इर्द-गिर्द रहेगा। लेकिन युवा शक्ति की बात करते हुए हमें जंतर-मंतर के उस चौराहे को भी याद करना चाहिए, जहां हाल में छात्रों ने अपने भविष्य और व्यवस्था की पारदर्शिता को लेकर आवाज उठाई। यह भी महसूस करना चाहिए कि आखिरकार उन्हें क्यों अपनी बात कहने के लिये जंतर-मंतर पर आंदोलन करने के लिये जाना पड़ा। वास्तव में युवा ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ऊर्जा होते हैं। यदि छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे तो उनकी भावनाओं को गहरे तक अहसास करने की जरूरत है।

जंतर-मंतर पर छात्रों ने दिखाया कि असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी ताकत है। उन्होंने अपनी बेचैनी को आंदोलन में बदला, लेकिन बड़े पैमाने पर अनुशासन और शांतिपूर्ण तरीके से। प्रश्नपत्रों की कथित लीक, परीक्षाओं में अनियमितता और भर्ती प्रक्रियाओं पर उठते सवाल केवल छात्रों

के भविष्य का प्रश्न नहीं हैं; ये उस व्यवस्था की विश्वसनीयता का सवाल हैं, जो देश की अगली पीढ़ी की नियति तय करती है। ऐसे में छात्रों के आक्रोश की तार्किकता को समझने की भी जरूरत है। सरकार ने पेपर लीक रोकने के लिए कानून कड़े किए हैं, सजा और जुर्माने बढ़ाए हैं तथा परीक्षा व्यवस्था की सुरक्षा मजबूत करने के कदम उठाए हैं। लेकिन किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी सुरक्षा दीवार कानून नहीं, व्यवस्था से जुड़े लोगों का चरित्र भी होता है। जब व्यवस्था चलाने वालों का जमीर बिक जाए तो तकनीक, निगरानी और सुरक्षा तंत्र भी बेअसर हो सकते हैं। सही मायने में दोष केवल व्यवस्था का नहीं है। एक नागरिक व अभिभावक के रूप में हम अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। हकीकत में देखा जाए तो लीक हुआ प्रश्नपत्र खरीदने वाले अभिभावक और उसका अनुचित लाभ उठाने वाला विद्यार्थी भी उस नैतिक पतन के हिस्सेदार हैं। मौजूदा समय के परिप्रेक्ष्य में देखें तो स्वतंत्रता का अर्थ मनमानी करने की छूट नहीं है। आजादी की मर्यादा हमें निजी जीवन में भी रखनी चाहिए। हम आजादी के मामले में अराजक व्यवहार नहीं कर सकते। देश के सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकना, चलती गाड़ियों से कचरा बाहर उछालना, नदियों में गंदगी और औद्योगिक अपशिष्ट बहाना—इसे आजादी नहीं कहा जा सकता। अरबों रुपये खर्च करने के बावजूद यदि गंगा और दूसरी नदियां प्रदूषण से मुक्त नहीं हो पा रहीं तो हमें सरकार से सवाल पूछने के साथ अपने आचरण पर भी सवाल करना होगा। आखिर नदी को गंदा कौन कर रहा है? अरबों रुपये बहाने के बाद भी गंगा मैली क्यों है?

बच्चों की परीक्षाओं, अस्पतालों में मरीजों के उपचार और बुजुर्गों या श्रमिकों की नींद के बीच देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाना अपनी आजादी का इस्तेमाल नहीं, दूसरे की आजादी का अतिक्रमण है। किसी एक व्यक्ति की आजादी वहीं तक है जहां से दूसरे व्यक्ति का अधिकार शुरू होता है। कहने का मतलब यह है कि हमारी आजादी निरंकुश नहीं हो सकती। हमें दूसरों की आजादी का भी सम्मान करना सीखना चाहिए। देश में मिलावटखोरों, नकली दूध-घी-पनीर बेचने वालों, खाद्य पदार्थों को जहरीले रसायनों से पकाने वालों और मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों को भी आजादी के संदर्भ में यही बात समझनी होगी।

भाषा का पतन और 'संवाद' का संकट

डॉ. संजय वर्मा

शब्द केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि चेतना का विस्तार हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में 'वाक' को दिव्य शक्ति और ब्रह्म का स्वरूप माना गया है। ऋग्वेद से लेकर छांदोग्य उपनिषद तक, भाषा की पवित्रता को सृजन और सत्य के आधार के रूप में स्थापित किया गया है। लेकिन मौजूदा दौर में, जब हिंदी-पट्टी से लेकर सार्वजनिक मंचों तक अभद्र भाषा व अपशब्दों की बाढ़ आ गई है, तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से नाता तोड़ लिया है? जब समाज का 'शब्द-कोष' भद्र से अधिक अभद्र की ओर झुकने लगे, तो वह केवल भाषाई गिरावट नहीं, बल्कि गहरे बौद्धिक और नैतिक पतन का संकेत है। हाल ही में देश में पेपर लीक के विरोध में हुए बड़े छात्र प्रदर्शनों के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उन छात्रों को 'माफ करने' का बयान, जिसमें उन्होंने स्वयं को दी गई गालियों का संदर्भ दिया, इस बहस को एक नए मोड़ पर ले आता है।

यह घटना सिर्फ एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि हमारे सार्वजनिक जीवन में गालियों के सामान्यीकरण को रेखांकित करती है। जब देश के शीर्ष पदों पर बैठे कुछ लोग और भविष्य की उम्मीद माने जाने वाले छात्र-दोनों एक ही भाषाई धरातल पर आ खड़े हों, तो चिंता स्वाभाविक है। दरअसल, जब सार्वजनिक जीवन में नेता, राजनीतिक कार्यकर्ता, टीवी बहसें और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लगातार आक्रामक भाषा का इस्तेमाल करते हैं, तो युवाओं से शिष्ट भाषा की अपेक्षा करना कुछ हद तक विरोधाभासी हो जाता है। यदि विरोधी को तर्क के बजाय शाब्दिक अपमान से हराना राजनीतिक सफलता का संकेत बना दिया जाए, तो वही संस्कृति धीरे-धीरे विश्वविद्यालय और सड़क तक पहुंचेगी। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया। वहां सबसे संयमित वाक्य अक्सर सबसे कम वायरल होता है और सबसे उत्तेजक वाक्य सबसे अधिक प्रसारित। परिणाम यह कि संवाद की जगह प्रदर्शन, तर्क की जगह ट्रोलिंग और असहमति की जगह अपमान लेता जा रहा है। संकट राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से परे, हमारे संवाद की संस्कृति का है जो 'शब्द ब्रह्म' के बजाय 'शब्द हिंसा' को प्राथमिकता दे रही है। गाली देने का एक बड़ा कारण 'दबदबा' साबित करना और विपक्षी को नीचा दिखाना होता है।

समाज के ऊंचे-नीचे पायदानों के बीच, हमारे देश में गाली एक तरह का औपनिवेशिक अवशेष है। जिस तरह अंग्रेज अपनी भाषा के जरिए रौब जमाते थे, आज के दौर में एक वर्ग अपनी बात में वजन लाने को गालियां जोड़ता है। एक वर्ग अंग्रेजी में गालियां देता है, तो दूसरा वर्ग स्थानीय अपशब्दों का सहारा लेता है। दुर्भाग्य से, यह गालीखोर की ताकत नहीं, बल्कि शब्दों की दरिद्रता है। वैसे तो गाली का यह प्रचलन देश में चौतरफा है, लेकिन खासतौर से हिंदी-पट्टी में यह अब निजी बातचीत से निकलकर सोशल मीडिया, फिल्मों, ओटीटी प्लेटफॉर्म व युवा आंदोलनों तक पहुंच गई है।

हालांकि, हमें यह भी देखना चाहिए कि गाली पैदा कैसे और कहां से हुई? क्या वह केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कुंठा थी या उसके पीछे व्यवस्था के प्रति जमा हुआ कोई गहरा असंतोष भी था? गाली को स्वीकार करना समाधान नहीं है। लेकिन गाली को सुनकर केवल गाली देने वाले को कठघरे में खड़ा कर देना भी पर्याप्त नहीं है। क्योंकि गाली अक्सर उस आक्रोश का विकृत रूप होती है जिसे सभ्य भाषा में अभिव्यक्ति का रास्ता नहीं मिलता। गाली का एक बड़ा पक्ष यह भी है कि इस शाब्दिक हिंसा के केंद्र में महिलाएं हैं। शायद यह हमारे पितृसत्तात्मक समाज की एक कुत्सित उपज है, जहां 90 प्रतिशत गालियां महिलाओं को निशाना बनाती हैं। यह हमारे परंपरागत 'स्त्री-रक्षा' और 'गरिमा' के सिद्धांत का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। इस पर भी जब महिलाएं भी समानता के नाम पर उन्हीं महिला-केंद्रित गालियों को अपनाती हैं, तो वे अपनी गरिमा को ऊंचा नहीं करतीं, बल्कि उसी पितृसत्तात्मक ढांचे को अनजाने में पोषित करती हैं। यहां यह समझना आवश्यक है कि गाली के सभी रूप समान नहीं होते। हमारी लोक परंपराओं में होली के गीतों या शादी-ब्याह के 'गाली गीतों' में जो अपशब्द हैं, वह मर्यादाहीन नहीं, बल्कि 'लीला' और हास-परिहास का हिस्सा है। ब्रज की लठमार होली या मिथिला-बिहार के विवाह गीतों में प्रयुक्त शब्द 'स्वागत' और 'अपनापन' के प्रतीक हैं। वहां उद्देश्य अपमान करना नहीं, बल्कि सामाजिक बंधन हल्के करना है।

इसके उलट, आज जो गालियां हम सुन रहे हैं, वे प्रताड़ना, अपमान और दबदबे के लिए हैं। यह संस्कृति के 'लालित्य' का नहीं, बल्कि 'कलुष' का विस्तार है। भगवद्गीता (अध्याय 17, श्लोक 15) में वाणी की तपस्या का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि शब्द सत्य, प्रिय और हितकारी होने चाहिए। जो शब्द उद्वेग पैदा न करें, वही वास्तविक 'वाक' है। भारतीय ज्ञान परंपरा में 'वाक' को देवी के रूप में वर्णित किया गया है। ऋग्वेद और छांदोग्य उपनिषद के अनुसार, वाणी ही वह शक्ति है जो सृष्टि की रचना करती है और सत्य को प्रकट करती है। श्रीमद्भगवद्गीता (17.15) वाणी की तपस्या का सार बताती है-'अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत।' अर्थात—ऐसे शब्द जो उद्वेग पैदा न करें, जो सत्य हों, प्रिय हों और हितकारी हों—यही वाणी का तप है। चाणक्य ने भी स्पष्ट किया था कि मधुर वाणी से ही लक्ष्मी प्रसन्न होती है और समाज का निर्माण होता है। हमारी विरासत हमें सिखाती है कि शब्द का प्रयोग शस्त्र की तरह नहीं, बल्कि प्रकाश की तरह होना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

भारतीय संस्कृति, आस्था और संघर्ष का है प्रतीक

सोमनाथ मंदिर भारत के सबसे पवित्र और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह मंदिर गुजरात के प्रभास पाटन में अरब सागर के किनारे स्थित है और इसे भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत वास्तुकला के कारण हर साल लाखों श्रद्धालु और पर्यटक यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और संघर्ष का प्रतीक भी है। इतिहास में इस मंदिर को कई बार आक्रमणकारियों द्वारा तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। यही कारण है कि इसे भारतीय सनातन संस्कृति की अटूट शक्ति का प्रतीक माना जाता है। मंदिर का भव्य स्वरूप, समुद्र किनारे का शांत वातावरण और शाम की आरती श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराती है।

इतिहास व धार्मिक महत्व

सोमनाथ मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना करके यहां श्राप से मुक्ति पाई थी, इसलिए इस स्थान का नाम सोमनाथ पड़ा। मंदिर को इतिहास में कई बार नष्ट किया गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। वर्तमान मंदिर का निर्माण भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रेरणा से कराया गया था। मंदिर की वास्तुकला चालुक्य शैली में बनी है, जो इसे बेहद भव्य और आकर्षक बनाती है।

दर्शन और आरती का समय

सोमनाथ मंदिर में दर्शन सुबह लगभग 6 बजे से रात 9:30 बजे तक होते हैं। यहां सुबह, दोपहर और शाम की आरती विशेष आकर्षण का केंद्र होती है। शाम के समय होने वाला लाइट एंड साउंड शो मंदिर के इतिहास को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत करता है। अक्टूबर से मार्च तक का समय सोमनाथ यात्रा के लिए सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि इस दौरान मौसम सुहावना रहता है। महाशिवरात्रि और सावन के महीने में यहां भारी भीड़ देखने को मिलती है।

घूमने की जगहें

सोमनाथ यात्रा के दौरान कई खूबसूरत और धार्मिक स्थान भी घूम सकते हैं। त्रिवेणी संगम, वह पवित्र स्थान है जहां तीन नदियों (हिरन, कपिला और सरस्वती नदियों) का संगम माना जाता है। इसके अलावा भालका तीर्थ वह स्थान माना जाता है जहां भगवान कृष्ण ने देह त्यागी थी। समुद्र किनारे स्थित सोमनाथ बीच भी पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। अगर समय हो तो दीव भी घूम सकते हैं, जो अपने बीच और पुर्तगाली इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। गीता मंदिर प्रभास पाटन संग्रहालय, सोमनाथ के प्राचीन अवशेषों और कलाकृतियों का संग्रह है। पंच पांडव गुफा में पांचवों की रहने की मान्यता है। सूरज मंदिर, समुद्र तट के पास प्राचीन सूर्य मंदिर है।

हंसना मना है

कोई गम नहीं मगर दिल उदास है, तुझसे कोई रिश्ता नहीं फिर भी एहसास है, कहने को बहुत अपने है मगर तू एक खास है, ज्यादा इमोशनल ना होना ऊपर सब बकवास है।

मछली जल की रानी है: इसका नया वर्जन.. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो चिढ़ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

एक युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे, लिखते थे: अतिथी देवो भव:, फिर लिखा: शुभ लाभ, फिर लिखा: यू आर वेलकम, और अब: कुत्तों से सावधान !

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफल जरूर होती है। छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं बल्कि हमारे ससुर होते...

लड़का- आई लव यू डियर, लड़की- तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का-अरे पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

कहानी | लोमड़ी और अंगूर

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। वह खाने की तलाश में काफी समय तक घूमने के बाद भी उसे खाने को कुछ भी न मिला, तभी उसकी नजर पास के एक बाग पर पड़ी। उस बाग से बड़ी ही मीठी सुगंध आ रही थी। वह तेजी से बाग की ओर अपने कदम बढ़ाने लगी। उसने मन ही मन सोचा कि इस बाग में कुछ तो होगा, जो उसे खाने को मिलेगा। इसी सोच के साथ वह और तेजी से आगे बढ़ने लगी। जैसे ही वह बाग में पहुंची, तो उसने देखा कि बाग तो अंगूर की बेलों से लदा हुआ है। सभी अंगूर पूरी तरह से पक चुके हैं। अंगूरों की महक से उसने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि अंगूर कितने रसदार और मीठे होंगे। उसने झट से अंगूरों को लक्ष्य बनाकर एक लंबी छलांग मारी, लेकिन वह अंगूरों तक पहुंच नहीं सकी और धड़ाम से जमीन पर आ गिरी। उसका पहला प्रयास विफल हुआ। उसने सोचा क्यों न फिर से कोशिश की जाए। वह एक बार फिर जोश से उठी और इस बार उसने अपनी पूरी ताकत से पहले से तेज अंगूरों की ओर छलांग लगा दी, लेकिन अफसोस कि उसका यह प्रयास भी बेकार गया। इस बार भी वह अंगूरों तक पहुंचने में नाकामयाब रही, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने खुद से कहा कि अगर दो प्रयास विफल हो गए तो क्या, इस बार तो सफलता मुझे मिलकर ही रहेगी। फिर क्या था, इस बार फिर वह दोगुने जोश के साथ खड़ी हुई। इस बार उसने अब तक की सबसे लंबी छलांग लगाने की कोशिश की। उसने अपने शरीर की सारी ताकत को एकत्र कर एक लंबी दौड़ लगाई। उसे लगा था कि इस बार उसे अंगूर पाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार का प्रयास भी खाली गया। वह जमीन पर आ गिरी। इतने जतन करने के बावजूद वह एक भी अंगूर हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में उसने अंगूर पाने की अपनी आस छोड़ दी और हार मान ली। अपनी विफलता को छिपाने के लिए उसने खुद ही बोला कि अंगूर खट्टे हैं, इसलिए इन्हें मुझे नहीं खाना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नौकरी में वरिष्ठों के साथ धैर्य रखें और कार्य में जल्दबाजी न करें। कारोबार में अनावश्यक खर्च और बिना सोचे-समझे निवेश से बचें। अचानक खर्च बढ़ सकते हैं।

वृषभ कार्यस्थल पर आपकी मेहनत का सकारात्मक प्रभाव दिखाई देगा। कारोबार में ग्राहकों और साझेदारों से बातचीत लाभदायक रहेगी। मन की बात साझा करें।

मिथुन नेटवर्किंग और मीटिंग्स के माध्यम से नए अवसर मिलेंगे। मार्केटिंग, बिक्री और ऑनलाइन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ। बकाया राशि मिलने की संभावना है।

कर्क कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत की आवश्यकता है। निराश न हों परिणाम आने में थोड़ा समय लग सकता है। बड़े आर्थिक जोखिम से बचें। मानसिक थकान हो सकती है।

सिंह नेतृत्व क्षमता निखरेगी, हालांकि काम का दबाव बना रहेगा। कारोबारी हैं तो बारीकियों पर ध्यान दें। व्यस्तता के कारण पार्टनर को समय देने में झिझक या कठिनाई हो सकती है।

कन्या नई जिम्मेदारी या पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर व्यापार में मुनाफा होगा। पार्टनर के प्रति आपका स्नेह रिश्ते में नया उत्साह भरेगा।

तुला सहकर्मियों के साथ बातचीत में स्पष्टता रखें ताकि गलतफहमी न हो। व्यापारिक साझेदारी में पारदर्शिता बनाए रखें। बचत पर ध्यान दें। पर्याप्त नींद लें।

वृश्चिक नौकरी में आत्मविश्वास बढ़ेगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी हैं तो पुराने संपर्कों से लाभ होगा। पारिवारिक मतभेद को सुलझाने का सही दिन है।

धनु नौकरी में नए कौशल सीखने या प्रशिक्षण के लिए दिन उत्तम है। व्यापार विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं। धन की स्थिति संतोषजनक रहेगी।

मकर नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी लेकिन आपकी निष्ठा वरिष्ठों की नजर में आएगी। कारोबारी हैं तो रुके हुए व्यावसायिक सौदे आगे बढ़ेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

कुम्भ नौकरी में नए विचारों और रचनात्मकता से अलग पहचान मिलेगी। जो कारोबारी तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हैं उनके लिए दिन शानदार।

मीन नौकरी में भावनाओं के बजाय व्यावहारिक सोच से निर्णय लें। कारोबारी हैं तो अधूरे प्रोजेक्ट्स पूरे होने से राहत मिलेगी। धन उधार देने में सावधानी बरतें।

बॉलीवुड | फैसला

इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद के बाद अपूर्वा ने बदला ठिकाना

अपूर्वा मुखीजा, जिन्हें रेबेल किड के नाम से भी जाना जाता है, ने हाल ही में बताया है कि वह अब भारत में नहीं रहती हैं। अपूर्वा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बताया कि वह भारत छोड़कर चली गई हैं। उन्होंने इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद के बाद की स्थिति के बारे में भी बताया। अपूर्वा ने बताया कि इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद के बाद उनकी जिंदगी कैसे बदल गई। उन्होंने माना कि वह बार-बार शो कैंसिल होने और फिर वापसी करने के सिलसिले से थक चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने व्लॉग्स में कुछ भी बोलने से पहले खुद को फिल्टर करने की कोशिश करती हैं। मगर फिर भी उन्हें समझ नहीं आता कि उन्हें कैंसिल क्यों किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ हफ्तों के लिए भी कैंसिल होने से उनके ब्रांड डील्स पर असर पड़ सकता है, जिसका मतलब है कि उनकी कमाई रुक जाती है। अपूर्वा ने कहा, मैंने काफी यात्रा की है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा मैं सच में यहीं रहना चाहती हूं। इस शहर में कुछ तो बात थी। यह बहुत तेज-तर्रार है, हर कोई बहुत अच्छे कपड़े पहने हुए है, खाना बहुत बढ़िया है। मुझे यहां का आर्किटेक्चर पसंद है और मैंने अपनी पसंदीदा लगभग हर वेब सीरीज में न्यूयॉर्क को देखा है। उन्होंने बताया कि चूंकि वह न्यूयॉर्क में रहना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने सिर्फ एक कॉलेज में अप्लाई किया, और वह न्यूयॉर्क में ही था। उन्होंने कहा, मैंने सोचा अगर मेरा एडमिशन हो जाता है, तो मैं चली जाऊंगी। अपूर्वा की यह हालिया घोषणा अचानक नहीं हुई है। जून 2025 में ही रेबेल किड ने बता दिया था कि वह आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने की योजना बना रही हैं। फरवरी 2025 में, समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में माता-पिता और यौन संबंध के बारे में रणवीर इलाहाबादिया की बातों की काफी आलोचना हुई थी। अपूर्वा भी उस पैनल का हिस्सा थीं और एक कंटेस्टेंट के साथ उनकी बहस की वजह से सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना हुई।

मैं अपने देश और अपनों से प्यार करती हूं: कंगना

कंगना रनौत ने ईशा कोप्पिकर की वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में वह भी खुद को 'भक्त' शब्द से संबोधित करती हैं। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ईशा कोप्पिकर की वीडियो साझा करती हैं और लिखती हैं, 'वाह, इस बात को बहुत अच्छे से समझाया गया है। जैसे हाई स्कूल में मैंने उस टीचर के खिलाफ आवाज उठाई थी जो असेंबली के दौरान बच्चों के सिर पर छड़ी से मारता था। मैंने 26/11 की हिंसा और निर्भया के साथ हुई बर्बरता के खिलाफ भी आवाज उठाई। अपनी राह में आई किसी भी मुश्किल के लिए मैंने कभी अपने माता-पिता को दोष नहीं दिया। बल्कि मैंने अपने पूरे परिवार का जीवन-स्तर उतना ही ऊंचा उठाया, जितना मैंने खुद के लिए हासिल किया था।' कंगना आगे लिखती हैं, 'मैं जिससे भी मिलती हूं, लोग मुझे उनका भक्त मान लेते हैं। जबकि मैं अपने देश और अपने लोगों से प्यार करती हूं।' सोशल मीडिया पर कुछ लोग ईशा कोप्पिकर को अंधभक्त बुला रहे थे, ट्रोल कर रहे थे। इसके जवाब में उन्होंने एक वीडियो बनाया और उसमें कहा, 'हां मैं एक अंधभक्त हूं। अगर अपने देश से प्यार करना और उसे तरक्की करते देखना ही भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त या अंधभक्त होने पर गर्व है।' ईशा आगे कहती हैं, 'मेरी यह अंधी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश के लिए है। देश सबसे पहले। मैं सरकार से सवाल कर सकती हूं और उसकी नीतियों से असहमत भी हो सकती हूं। और फिर भी पूरे दिल से अपने देश से प्यार कर सकती हूं।' कंगना रनौत बतौर सांसद अपनी जिम्मेदार को निभा रही हैं। साथ ही वह एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं। इस साल वह फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आईं। इसके अलावा वह फिल्म क्वीन 2 भी कर रही हैं।ज्वहीं ईशा कोप्पिकर दो साल पहले एक तमिल फिल्म अयलान में नजर आई थीं। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बात करती रहती हैं।

रनौत ने ईशा कोप्पिकर का 'अंधभक्त' कहे जाने से जुड़े मामले का किया सपोर्ट

दुनिया अब पहले से ज्यादा डरावनी हो गयी है: सोहा

अभिनेत्री सोहा अली खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। हालांकि, बीते कुछ दिनों में उन्होंने अपनी बेटी से जुड़ी पोस्ट साझा करना कम कर दिया है। अब एक कार्यक्रम में उन्होंने इसके पीछे का कारण बताया। सोहा ने कहा कि वह अपनी बेटी की डिजिटल सुरक्षा के लिए ऐसा कर रही हैं। अभिनेत्री हाल ही में एक इवेंट में पहुंची थीं। जहां उन्होंने अपनी बेटी इनाया से संबंधित जानकारी शेयर की। सोहा ने कहा जब इनाया छोटी थी, तब हमने उसकी तस्वीर कई पोस्ट में साझा की थीं। तब से लेकर अब तक दुनिया बदल गई है और पहले से ज्यादा डरावनी हो गई है। मुझसे बहुत से लोग सवाल करते हैं कि अब आप उसकी तस्वीर क्यों नहीं पोस्ट करते? वो कहते हैं कि हम जानते हैं कि आपकी बेटी कैसी दिखती है। आपने पहले भी उसकी तस्वीरें पोस्ट की हैं, तो अब क्यों नहीं? मैं कहना चाहती हूं कि मैंने पहले कुछ किया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अब जो कर रही हूं उसे बदल नहीं सकती। सोहा ने कहा, 'हम उसकी तस्वीरें इंटरनेट पर साझा नहीं करते क्योंकि उनका गलत अर्थ निकाला जा सकता है और उनसे गलत काम किए जा सकते हैं। वह समझती है कि इसके पीछे एक कारण है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मुझे इस बारे में विस्तार से बताने की जरूरत नहीं है कि कितनी घिनौनी हरकतें होती हैं। अब तो छोटे बच्चों के बारे में कुछ भी पोस्ट करने से पहले उनकी भी सहमति होनी चाहिए। भविष्य में मैं उसकी प्राइवेसी के अधिकार को छोड़ दूंगी, क्योंकि मैंने बड़े होने के दौरान उसकी जिंदगी का बहुत सारा हिस्सा शेयर किया होगा।'सोहा पूर्व क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की बेटी हैं। वहीं कुणाल राजा हिंदुस्तानी और जख्म समेत कई बड़ी फिल्मों में चाइल्ड आर्टिस्ट रहे। हाल ही में उन्होंने फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का निर्देशन भी किया।

बेटी से जुड़ी पोस्ट साझा न करने पर बोलीं- उनका गलत अर्थ निकाला जा सकता है

भूतों की तरह पीठ से मिला दी गर्दन ये देख लोगों की निकल गईं चीखें

सोशल मीडिया की दुनिया बड़ी ही अजीब है, यहां कब क्या देखने को मिल जाए कह नहीं सकते। कभी कुछ वीडियो चौंका देते हैं, तो कभी कुछ वीडियो दिल दहला देते हैं। हाल ही में एक ऐसा ही खौफनाक वीडियो सामने आ रहा है, जिसमें एक लड़की का हैरान कर देने वाला स्टंट देखकर आपकी भी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। वीडियो में काले और सफेद रंग की ड्रेस पहने एक लड़की भूतों की तरह पीठ से गर्दन मिलाकर हैरतअंगेज कारनामा करती नजर आ रही है, जिसे देखकर आप अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे। इस वीडियो में एक लड़की अतरंगी स्टंट करती नजर आ रही है, जिसे देखकर आप अपना माथा पकड़ लेंगे। अगर रात के समय कोई ऐसा प्रेंक किसी के साथ कर दे, तो यकीनन उसकी डर के मारे सांसें अटक जाएगी। वीडियो में देखा जा सकता है कि, लड़की कितनी आराम से देखते ही देखते भूतों की तरह अपनी गर्दन को पीठ से मिला देती है, जैसे कि यह बेहद आसान है, पर हां इस लड़की के लिए तो ये बिल्कुल मुश्किल नहीं है, ऐसा देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है। वीडियो में भूतिया स्टंट कर रही इस लड़की का नाम एमराल्ड गॉर्डन वुल्फ बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि, एमराल्ड का शरीर रबड़ की तरह बेहद लचीला है, यही वजह है कि, वह अपने शरीर से उन जगहों से भी मोड़ सकती हैं, जहां से किसी अन्य इंसान के लिए ऐसा कर पाना नाममुकिन होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को @emeraldgordonwulf नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है, जिस पर यूजर्स तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। 5 दिन पहले शेयर किए गए इस वीडियो को अब तक 2 लाख 38 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। वीडियो देख चुके एक यूजर ने लिखा, यह नई रील, अब मेरी पसंदीदा है। दूसरे यूजर ने लिआ, उनका स्टंट देखकर रीढ़ में सिहरन सी दौड़ जाती है।

अजब-गजब | मछली खाने के शौकीन भूल से भी न खाएं ये फिश

एक ही झटके में सुला सकती है मौत की नींद

प्रकृति रहस्यों से भरी है और जब कभी ये अद्भुत रहस्य सामने आते हैं, तो अचंभित कर देते हैं। बदलते वक्त के साथ-साथ जहां कुछ हैरान देने वाले जीव सामने आ रहे हैं। वहीं कुछ जीव विलुप्त भी होते जा रहे हैं। हाल ही में एक ऐसे ही अति दुर्लभ मानी जाने वाली लेपर्ड टोबी को देखा गया है, जो एक प्रकार की पफरफिश होती है। 3 इंच लंबी इस पफरफिश को कैथिगस्टर लेपर्डा नाम से जाना जाता है, जो हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के तट पर देखी गई है। तेंदुए जैसे धब्बों वाली इस छोटी सी सफेद मछली को अचानक से देखकर गोताखोर भी हक्के-बक्के रह गए। बताया जा रहा है कि, एक गोताखोर ने ऑस्ट्रेलिया के तट पर ग्रेट बैरियर रीफ में तैरते समय इस अति दुर्लभ फिश को देखा था। बता दें कि, संकीर्ण नाक वाली यह लेपर्ड टोबी पफरफिश इंडोनिशया और फिलीपींस सहित अधिक नॉर्थर्न वाटर्स में पाई जाती हैं। हाल में देखी गई लेपर्ड टोबी कोरल सागर पहली बार रिकॉर्ड किया गया दृश्य हो सकता है। बताया जा रहा है कि, यह फिश बेहद जहरीली होती है, जो किसी को भी पल भर में मौत की नींद सुला सकती है। यूं तो अन्य पफरफिश की तरह इस मछली को भी खतरे में पड़ने पर अपने शरीर को फुलाने की क्षमता के लिए जाना जाता है। फिशेज ऑफ ऑस्ट्रेलिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस फिश को खाने से बचना चाहिए, इसका जहर इंसानों के लिए जानलेवा हो सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर यह वीडियो ग्रेट बैरियर रीफ मरीन पार्क अथॉरिटी से जुड़े संगठन मास्टर रीफ गाइड्स ने शेयर किया है, जिसे खूब देखा और पसंद किया जा रहा है। वीडियो शेयर कैप्शन में लिखा गया है कि, विश्व प्रसिद्ध नॉर्थ हॉर्न डाइव साइट पर गोता लगाने जाते समय इस प्यारी मछली पर मास्टर रीफ गाइड कैथरीन का ध्यान गया। 1100 से अधिक गोता लगाने के बाद भी उसने कभी ऐसी मछली नहीं देखी थी। हर दिन ऐसा नहीं होता है कि, आप किसी जानवर को इतना असामान्य देखते हैं। समुद्र में हमें हर दिन आश्चर्यचकित करने की शक्ति है, यह उन अद्भुत जीवों से भरा है, जिन्हें हमनें अभी तक नहीं खोजा है। मैं भाग्यशाली हूं कि, मैं इन छोटे-छोटे आश्चर्यों को खोजने में अपना समय बिता रहा हूं।

कांग्रेस के प्रस्ताव पर मचा बवाल

वंदे मातरम के सिर्फ दो पद गाने के फैसले पर कांग्रेस अडिग

» भाजपा का हमला- ये नई मुस्लिम लीग है

» वंदे मातरम पर बहस 15 अगस्त से शुरू हुई थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर सियासी बवाल मच गया है। वहीं इस पर छिड़ा राजनीतिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह भविष्य में अपने सभी पार्टी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल शुरुआती दो पद ही गाएगी। यह फैसला नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की चार घंटे चली बैठक में लिया गया। कांग्रेस के इस कदम पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखा हमला बोला है और पार्टी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सभी सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाना अनिवार्य कर दिया है, जिस कदम की कांग्रेस ने आलोचना की है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी ने राष्ट्रीय गीत गाने को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है, और उसने दोहराया है कि वह इसके सिर्फ़ शुरुआती दो पद ही गाएगी। यह बहस 15 अगस्त को फिर से शुरू हुई, जब कांग्रेस मुख्यालय का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया जा रहा था। हालांकि, बीजेपी ने आरोप लगाया कि राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी ने कार्यक्रम के दौरान पूरा वर्शन बजाने से रोकने की कोशिश की, जबकि कांग्रेस ने साफ़ किया कि चेयरपर्सन सिर्फ़ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मांग रही थीं। तब से, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम की बात करें तो इसे पहली बार 7 नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था।

कांग्रेस भारत मां का अपमान करती है: नितिन नवीन

कांग्रेस के इस फ़ैसले की सत्ताधारी बीजेपी ने कड़ी आलोचना की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पर वोटों के लिए नई मुस्लिम लीग बनने का आरोप लगाया। गुरुवार सुबह एक्स पर हिंदी में किए गए एक पोस्ट में नवीन ने कांग्रेस पर भारत मां का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि यह उनकी नीति का हिस्सा है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, भारत माता के पवित्र आह्वान का यह अपमान उन हज़ारों शहीदों का अनादर है, जिन्होंने इसी गीत को अपने मन में बसाकर देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। कांग्रेस ने अब (वंदे मातरम के) अपमान को एक प्रस्ताव का रूप दे दिया है। उसकी वर्किंग कमेटी ने तय किया है कि कांग्रेस के मंचों पर वंदे मातरम के सिर्फ़ शुरुआती दो पद ही गाए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस आज नई मुस्लिम लीग बन गई है... आज वही अपमान कांग्रेस की नीति बन गया है। यह सिर्फ़ राजनीतिक बचाव नहीं है, बल्कि उस वोट बैंक की भूख का सबूत है, जिसकी वेदी पर कांग्रेस ने बार-बार देश के आत्म-सम्मान को गिरवी रखा है।

शुद्धिकरण विवाद पर कांग्रेस नेताओं की चुप्पी से खरगे आहत

कांग्रेस वर्किंग कमेटीकी हालिया बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे का दर्द छलक पड़ा। सूत्रों के अनुसार, खड़गे ने पार्टी नेताओं के रवैये पर गहरी निराशा जताई और कहा कि हाल ही में सामने आए शुद्धिकरण विवाद पर कई वरिष्ठ नेताओं ने खुलकर उनका साथ नहीं दिया, जिससे वे बेहद आहत और परेशान हैं। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने सदस्यों से कहा कि उन्हें इस मामले में खुलकर उनका साथ देना चाहिए था, लेकिन वे ऐसा करने में नाकाम रहे, जिससे उन्हें निराशा और दुख हुआ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खरगे उस शुद्धिकरण अनुष्ठान का ज़िक्र कर रहे थे जो 8 अगस्त को रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित किया गया था। राज्यसभा के वरिष्ठ सदस्य ने इस घटना को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की आलोचना की है, जबकि बीजेपी ने खुद को इस घटना से अलग कर लिया है।

धमकाने के लिए जेन-जी की पहचान का इस्तेमाल करना अनुचित : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लद्दाख में जेन जेड पर्यटक के वायरल वीडियो पर टिप्पणी करते हुए हम जेन-ज़ी हैं वाले अंदाज़ को पहचान का दुरुपयोग बताया है। उन्होंने कहा कि मामूली बातों पर धमकाने के लिए जेन-जी की पहचान का इस्तेमाल करना इस पीढ़ी की सकारात्मक छवि को धूमिल कर सकता है और यह एक गंभीर चिंता का विषय है। विरोध कर रही जेन-जी पीढ़ी के एक वायरल वीडियो पर उमर ने कहा है कि इस तरह की धमकियां उसी पीढ़ी पर भारी पड़ सकती हैं। वायरल वीडियो में एक महिला पर्यटक को चेकपॉइंट पर गुस्से में बहस करते हुए देखा जा सकता है।

यह घटना लद्दाख के करगिल में मिनिमाग चेकपॉइंट पर हुई। उसने कहा कि हम जेन-जी हैं और हम यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेंगे। ये लोग कश्मीरियों के साथ ऐसा करते हैं। अब वे पर्यटकों के साथ भी वैसा ही व्यवहार कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना इस साल 25 जुलाई को हुई थी। रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख ज़ोजिला-गुमरी रास्ते से यात्रा कर रहे थे। उमर ने जेन ज़ी शब्द का इस्तेमाल धमकी के तौर पर करने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि जब लोगों को लगता है कि उनका अपमान हुआ है, तो वे इस शब्द का इस्तेमाल धमकी देने के लिए करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी बातों से युवा पीढ़ी की अच्छी छवि को नुकसान पहुंच सकता है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जवाब में, जिसमें कहा गया था कि जेन-ज़ी के लोग कश्मीरियों और पर्यटकों के साथ कथित दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं करेंगे, अब्दुल्ला ने कहा कि हम जेन-ज़ी हैं वाक्यांश का इस्तेमाल धमकी भरे अंदाज़ में किया जा रहा है। उन्होंने टिप्पणी की, यह हम जेन-ज़ी वाला अंदाज़, जानते नहीं हो मेरा बाप कौन है वाली बात का नया रूप बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब भी किसी को बुरा लगे, तो जेन-ज़ी की पहचान का इस्तेमाल डराने-धमकाने के लिए करना उल्टा पड़ सकता है और इससे जेन-ज़ी की अच्छी छवि को नुकसान पहुंच सकता है।

भारत ने अपने 600वें टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराया

» मानव ने मैच में लिए 10 विकेट, मैच में 211 रन बनाने वाले पडिक्कल बने प्लेयर ऑफ द मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गॉल। भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन से जीत हासिल की है। यह भारत का 600वां टेस्ट था और शुभमन गिल की टीम ने इसमें जीत हासिल की। जीत के लिए मिले 372 रन के लक्ष्य के जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने छह विकेट लिए। इस जीत के साथ टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है। सीरीज का दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। टीम इंडिया को दूसरी पारी में 178 रन की बढ़त हासिल थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए और कुल 371 रन की बढ़त हासिल की और इस तरह श्रीलंका को 372 रन का लक्ष्य मिला था।

मानव ने मैच में कुल 10 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने चार विकेट झटके थे। मानव ने इससे पहले अफगानिस्तान के खिलाफ जून में हुए टेस्ट में पहली पारी में 33 रन देकर छह विकेट झटके थे। हालांकि, गॉल में उनके शानदार प्रदर्शन के बावजूद देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पडिक्कल ने गॉल में पहली पारी में 167 रन बनाए और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे। कुल 211 रन बनाए। गॉल में दोनों टीमें टेस्ट में छह बार आमने-सामने आई हैं। इसमें से सभी छह मैचों के जीत या हार में नतीजे निकले हैं, यानी कोई टेस्ट ड्रॉ नहीं हुआ। भारत और श्रीलंका के बीच यहां छह टेस्ट खेले गए और भारत ने तीन मैच जीते हैं और तीन गंवाए हैं। भारतीय टीम गॉल में इस टेस्ट से पहले श्रीलंका से पिछली बार जुलाई 2017 में भिड़ी थी। तब टीम इंडिया ने 304 रन से जीत हासिल की थी। यानी गॉल में भारत ने लगातार दूसरा टेस्ट जीता। 2014 के बाद से गॉल में खेले गए 28 टेस्ट मैचों में केवल एक ही मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है, वह भी पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ खेला गया बारिश से प्रभावित टेस्ट था।

कम टेस्ट मैचों में 10 विकेट लेने वाले मानव चौथे भारतीय

गॉल। भारत के लेफ्ट ऑर्म स्पिन गेंदबाज मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया। सुथार ने इस मैच की दोनों पारी मिलाकर 10 विकेट लिए। वह डेब्यू के बाद कम मैचों में टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। इतना ही नहीं सुथार 28 साल पूरा करने से पहले विदेशी धरती पर टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय हैं। सुथार ने भारत के लिए अब तक सिर्फ दो टेस्ट मैच ही खेले हैं। वह शुरुआती दो मैचों के बाद सबसे ज्यादा बार पारी में पांच विकेट हासिल करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। सुथार उन भारतीय गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने कम मैचों में ही मुकाबले में 10 विकेट लेने का कीर्तिमान अपने नाम कर लिय है। मानव सुथार सातवें भारतीय स्पिनर हैं जिन्होंने विदेशी धरती पर टेस्ट मैच में 10 विकेट लिए हैं। सुथार के अलावा रविचंद्रन अश्विन, बिशन सिंह बेदी, ईरापल्ली प्रसन्ना, भागवत चंद्रशेखर, अनिल कुंबले और हरभजन सिंह ने ऐसा किया है।

टेंडरों की जानकारी छिपा रही भाजपा सरकार: भारद्वाज

» सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पर आप का सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) टेंडर मामले में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के बीच आप ने जल बोर्ड की कार्यप्रणाली को लेकर दिल्ली सरकार पर सवाल उठाए हैं। आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि प्रवेश वर्मा के दिल्ली जल बोर्ड का अध्यक्ष बनने के बाद से बोर्ड बैठकों के मिनट्स में टेंडरों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। भारद्वाज ने एक पोस्ट के जरिये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल से मामले पर ध्यान देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि पहले जल बोर्ड की बैठकों के मिनट्स में टेंडर लेने वाली कंपनी या ठेकेदार का नाम और एल-1 कीमत स्पष्ट रूप से दर्ज की जाती थी। इससे करदाताओं और मीडिया को सार्वजनिक धन के इस्तेमाल की निगरानी में मदद मिलती थी। उन्होंने कहा कि अगस्त 25 के बाद से इन जानकारियों को मिनट्स से हटा दिया गया है। अब करोड़ों के टेंडर और अनुबंधों के महत्वपूर्ण विवरण सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं। उनके मुताबिक, मौजूदा मिनट्स में केवल सामान्य बजट अनुमान और आंतरिक विभागीय कोड या प्रस्ताव संख्या जैसी सूचनाएं दिखाई देती हैं।

वाह री पुलिस? घंटो बाद भी सिर्फ तलाश

» मुख्यमंत्री आवास के पास सड़क हादसे में एलएलबी छात्र की मौत

» सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री आवास से डीजीपी आवास की ओर जाने वाले मार्ग के बीच हुए सड़क हादसे में 24 वर्षीय एलएलबी छात्र पीयूष त्रिवेदी की मौत हो गई। हादसे के इतने समय बाद पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज ही खंगाल रही है। पुलिस इसलिए कै मरे खंगाल रही ताकि यह पता लगाया जा सके कि दुर्घटना कैसे हुई और युवक को टक्कर किस वाहन से लगी। मृतक की पहचान प्रखर त्रिवेदी उर्फ पीयूष, निवासी भानुमति सुंदरबाग,जूरियन टोला, मकबूलगंज का निवासी पीयूष ने इसी वर्ष विवि में एलएलबी में दाखिला लिया था और यह उसकी पढ़ाई का पहला साल था।

परिजनों के मुताबिक पीयूष मूल रूप से गोला गोकरननाथ का रहने वाला था और बचपन से ही अपनी मामी के पास रह रहा था। उसने सेंट्रेसा डे स्कूल से स्कूली शिक्षा पूरी की और इसके बाद विद्यान्त हिंदू कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। मामी ने बताया कि पीयूष को वेज रोल बेहद पसंद था। वह अक्सर अपने दोस्तों के साथ फूड वैली में चाय या वेज रोल खाने जाया करता था। हालांकि हादसे वाली रात वह अकेले ही घर से निकला था। करीब रात 1० बजे फूड वैली जाने के लिए घर से निकला था। कुछ देर बाद परिवार के पास फोन आया कि पीयूष का एक्सीडेंट हो गया है और उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजन तत्काल अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक पीयूष की सांसें थम चुकी थीं। अस्पताल में करीब 12 बजे डॉक्टरों ने इसीजी किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स के निशाने पर शुभांकर

आलोचकों की तीखे बयानों से पटे डिजिटल प्लेटफार्म, गलगोटिया विवाद में भी खूब हुई थी फजीहत

» कोहली व आम्रपाली दुबे के मामले में भी आ चुके हैं लोगों के निशाने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुभांकर का विवादों के साथ पुराना रिश्ता रहा है। बता दें पत्रकार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शुभांकर मिश्रा कई बार अपने बयानों, पॉडकास्ट के सवालों और वीडियो के कारण सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल हो चुके हैं। इससे पहले गलगोटिया विवाद में इनकी फजीहत खूब हुई थी। अब इस नए विवाद में सोशल मीडिया पर उनके आलोचनाओं की बाढ़ आ गई है। लोग उनकी कार्यशैली पर उनको जूकर ट्रोल कर रहे हैं।

ट्रोल करने वालों आम से लेकर खास लोग शामिल हैं। जिस पॉडकास्टर के मंच पर सेक्स से अध्यात्म तक फिल्म से राजनीति तक और विवाद से वायरलिटी तक सब कुछ मिलता हो उसके मंच पर जाकर सनी देओल की फिल्म का प्रमोशन होना खुद उस नई डिजिटल पत्रकारिता की कहानी बन गया है जहां माइक पत्रकार का होता है कैमरा क्रिएटर का और मेहमान स्टार होता है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि फैसला एल्गोरिद्म करता है। तो फिर सवाल सिर्फ सनी देओल से नहीं है सवाल शुभांकर मिश्रा से है कि क्या यह पॉडकास्ट है या प्रमोशन की प्रीमियम दुकान?

आम्रपाली दुबे के पॉडकास्ट और तीखे सवाल भी ट्रोलर्स ने घेरा

कई बार सेलेब्स या मेहमानों के साथ अपने इंटरव्यू और पॉडकास्ट के दौरान उनके निजी जीवन या तीखे सवालों (जैसे आम्रपाली दुबे के साथ इंटरव्यू का मामला) के कारण भी यूजर्स ने उन्हें आड़े हाथों लिया है।

यह पत्रकारिता है या प्रभाव बेचने का कारोबार

क्या यह पत्रकारिता है या प्रभाव बेचने का कारोबार? क्या बड़े सितारे बातचीत करने आते हैं या अपनी फिल्म की डिजिटल मार्केटिंग कराने? क्योंकि इससे पहले फरवरी में हुए देश के बड़े विवादों में से एक गलगोटिया विवाद में भी शुभांकर मिश्रा पर सवालों की लड़ी लगी थी। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था और जेन जी उन्हें खूब खरी खोटी सुना रहा था।

जगन्नाथ मंदिर विवाद पर खिंचाई

उन्होंने पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर और राधा रानी से जुड़ा एक वीडियो बनाया था, जिसमें एक तथाकथित शाप का जिक्र किया था। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हुईं और उन्हें भारी विरोध व आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी और वीडियो हटाना पड़ा।

कोहली और आरसीबी से जुड़े वीडियो पर लोगों के निशाने पर आए

क्रिकेट और खिलाड़ियों पर की गई टिप्पणियों या वीडियो को लेकर भी विराट कोहली के फैंस ने उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया था, जिसके बाद उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर फॉलोअर्स में भी भारी गिरावट आई थी।

लोग बोले -व्यूज की भूख है या व्यक्तिगत रंजिश

शुभंकर मिश्रा की पत्रकारीय शैली हर बार सवालों के घेरे में रहती है। चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ को लेकर एआईजनरेटेड खूनी तस्वीरों के इस्तेमाल से लेकर फूलन देवी और समय रैना जैसे मामलों में उनके रुख ने उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उनपर सवाल उठाते हुए ट्रोल करने वालों ने तो यहां तक कह दिया कि उन्हें व्यूज की भूख है या व्यक्तिगत रंजिश?

यूपी पुलिस के एनकाउंटर्स पर हाईकोर्ट की फटकार

कहा- प्रमोशन के लिए गोली मारना खतरनाक, हाफ एनकाउंटर पर कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हाफ एनकाउंटर को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने तल्ख टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने श्रावस्ती में हुए कथित हाफ एनकाउंटर पर सुनवाई करते हुए कहा पूछा कि पुलिस की हर गोली हर बार घुटनों या उसके नीचे ही कैसे लग जाती है। जिसके बाद कोर्ट ने इस मामले की सीबीआई जाँच के आदेश दिए हैं।

लखनऊ हाईकोर्ट की बेंच ने अलाउद्दीन उर्फ छोटकऊ की ओर से दाखिल की गई आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की है. कोर्ट ने पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में भी कई विसंगतियां पाए जाने की बात कही। कोर्ट ने थानाध्यक्ष की ओर से 15 मीटर से दोनों पैरों में गोली मारने के दावे पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि अक्सर हम देख रहे हैं कि पुलिस की हर गोली घुटने या उसके नीचे ही कैसे लगती है? जबकि पुलिसवालों को एक छर्रा तक नहीं लगता और आरोपी के पैर में ही गोली लगती है। पुलिस द्वारा सामान्यत: ये बताया जाता है कि अपराधी पकड़ा गया तो उसने भी अंधाधुंध फायरिंग की लेकिन, पुलिसकर्मियों की वर्दी को एक छर्रा भी नहीं छू पाता है। सभी बिना चोट के बच जाते हैं और पुलिस एक गोली चलाती है वो भी अभियुक्त के घुटने या उसके नीचे लगती है। कोर्ट ने इस पुलिस विभाग की इस प्रवृत्ति पर चिंता जताई और कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को खुश करने और आउट ऑफ टर्न प्रमोशन के लिए पैर में गोली मारने की प्रवृत्ति खतरनाक है। सजा देने का अधिकार पुलिसवालों का नहीं बल्कि न्यायपालिका के पास है।

श्रावस्ती एनकाउंटर मामले पर सुनवाई

बता दें कि ये मामला 9 मई 25 का है जब थाना इकौना में सात साल की बच्ची के अपहरण मामले में शफ़ीक और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ़ शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस मामले में लोगों ने शफ़ीक को मौके से ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। 12 मई को पुलिस ने अलाउद्दीन नाम के आरोपी को अभियुक्त बताते हुए उसे मुठभेड़ में पकड़े जाना दिखाया, जिसमें उसके दोनों पैरों में गोली लगी थी।

दल-बदल पाप रोकें मीलार्ड: सिब्बल

» उद्धव के वकील ने की अपील, जस्टिस बागची ने कहा- क्या हम शिंदे को अयोग्य ठहरा दें?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को शिवसेना की इस दलील से असहमति जताई कि एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल होने वाले विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि वह स्पीकर की भूमिका नहीं निभा सकता और विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला नहीं कर सकता।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच उद्धव ठाकरे गुट के सदस्य सुनील प्रभु की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस मामले की सुनवाई गुरुवार दोपहर को 2 बजे जारी रहेगी। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें शिवसेना (यूबीटी) ने स्पीकर के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने की उनकी मांग को खारिज कर दिया गया था। साथ ही, चुनाव आयोग के उस फैसले को भी चुनौती दी गई थी जिसमें शिवसेना (शिंदे) को असली पार्टी मानते हुए उन्हें धनुष-बाण का चुनाव चिह्न आवंटित किया गया था। अगर महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर का उन्हें अयोग्य न ठहराने का आदेश रद्द कर दिया जाता है, तो क्या एकनाथ शिंदे (और दूसरे अलग हुए गुट के विधायकों) को संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत दलबदल विरोधी कानून के अनुसार अयोग्य घोषित किया जा सकता है? जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से पूछा। जज ने BT गुट की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल के साथ पेश हुए सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत से पूछा कि क्या कोर्ट आज ऐसा कोई फैसला दे सकती है जिससे शिंदे अयोग्य हो जाएं, जबकि महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर ने उन्हें अयोग्य नहीं ठहराया था और शिंदे नए चुनावों के बाद फिर से चुने जा चुके हैं।

पत्नी व बहन को मारने के बाद खुद को गोली से उड़ाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर में हुसड़िया के पास पति ने अपनी पत्नी व बहन को भी गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मार ली है। तीनों की मौत हो चुकी है।

मृतका दिव्या

जानकारी के अनुसार एसबीआई जानकीपुरम में काम करने वाले 38 वर्षीय मानस बाजपेयी ने गोमतीनगर के हुसड़िया चौराहा स्थित अपने घर पर पहले पत्नी दिव्या को उसके बाद बहन तूलिका उर्फ सीबा-28 वर्षीय को मारी गोली मारी फिर खुद को गोली मार ली। इस घटना में तीनों की मौत हो गई। घटनास्थल से असलहा बरामद हुआ है। मौके पर डीसीपी और जॉइंट सीपी लॉ एंड आर्डर मौजूद हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जयंती पर याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी

» पीएम मोदी व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

» खरगे और सोनिया गांधी ने वीर भूमि पर दी पुष्पांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित वीर भूमि पहुंचकर उन्हें नमन किया। वहीं पीएम मोदी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने उन्हे याद किया।

खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री को 21वीं सदी के आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए युवाओं और तकनीकी प्रगति में उनके योगदान को याद किया। पार्टी नेताओं ने 18 वर्ष की उम्र में मतदान का अधिकार देने जैसे ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख भी किया। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य पार्टी नेताओं ने बृहस्पतिवार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने वीर भूमि पहुंचकर राजीव गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। खरगे ने राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लाखों लोगों में उम्मीद दी और भारत को 21वीं सदी की संभावनाओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजीव गांधी एक दूरदर्शी नेता थे : मल्लिकार्जुन खरगे

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि राजीव गांधी एक दूरदर्शी नेता थे और उनकी विरासत उन बड़े बदलावों में जीवित है, जिनका उन्होंने समर्थन किया तथा भारत के युवाओं, तकनीकी प्रगति और नए विचारों में उनके अटूट विश्वास में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी को सबसे सार्थक श्रद्धांजलि भारत की सद्भाव और मेल-मिलाप की भावना को मजबूत करना तथा बौद्धिक स्वतंत्रता, नवाचार और युवाओं की आकांक्षाओं को बढ़ावा देना होगी।

युवाओं के बीच जारी हलचल के दौर में उनके उन फैसलों को याद करना जरूरी : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा कि देश में युवाओं के बीच जारी हलचल के दौर में उनके उन फैसलों को याद करना जरूरी है, जिनसे युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों से जोड़ा गया। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राजीव गांधी ने 18 वर्ष की उम्र में मतदान का अधिकार देकर युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर दिया। संविधान के 61वें संशोधन के जरिए मतदान की न्यूनतम उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई थी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल हुईं और नवोदय विद्यालयों की राष्ट्रव्यापी व्यवस्था सामने आई।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा